प्रगति पथ

विश्वविद्यालय समाचार

22 Sept. 2026 / Headquarters & RCs

IG/PIU/DigiNews/Sept/2135

Headquarters

IGNOU Vice-Chancellor invited as Special Guest of Honour at Sainya Kaushal Divas

The Indian Army held its first-ever **'Sainya Kaushal Divas'** to commemorate the successful rollout of **'Project Kaushalveer'**, a skilling and certification initiative aimed at equipping Agniveers and regular soldiers with industry-recognised skills while providing opportunities for educational advancement. **IGNOU Vice-Chancellor Prof. Uma Kanjilal** was invited as the Special Guest of Honour at the event.

The event was chaired by **Lt Gen Vipul Shinghal,** AVSM, SM, DCOAS (IS & T), and co-chaired by **Lt Gen Ajay Ramdev,** SM, DGIT, and **Maj Gen Tamojeet Biswas,** ADG AE, with senior officers, including ADGs/Brig from the Line Dtes, in attendance. **Prof. Akhilesh Mishra,** Chairman, NIOS, was also invited as a Special Guest.

Headquarters

Addressing the gathering, **Prof. Kanjilal** appreciated the Indian Army's efforts in implementing Project Kaushalveer, particularly its focus on recognising and certifying the vocational and professional competencies acquired by Armed Forces personnel and Agniveers through military training. She described the partnership between the Indian Army and IGNOU as an important step towards advancing the objectives of the National Education Policy (NEP) 2020. **Prof. Kanjilal** also highlighted the 50:50 credit-sharing framework of IGNOU's Agniveer Bachelor's Degree Programme, under which competencies acquired through military service are integrated with formal higher education. She reaffirmed the University's commitment to enabling Agniveers to pursue higher education alongside their service and to acquire qualifications and skills that can support their transition to further education, employment or entrepreneurship. IGNOU, currently, offers the Bachelor of Arts (Applied Skills), Bachelor of Science (Applied Skills) and Bachelor of Commerce (Applied Skills), along with specialised programmes in Tourism Management and MSME for Agniveers. Designed with flexibility in mind, these programmes enable personnel to pursue higher education without disrupting their military responsibilities.

Headquarters

The Vice-Chancellor further outlined the role of Recognised Regional Centres (RRCs), which function as single-window systems within military commands, coordinating academic activities and facilitating access to higher education. Through these centres, serving soldiers and Agniveers can pursue skill-integrated degree programmes while continuing their service. The growing participation in IGNOU's Agniveer programmes reflects the expanding reach of the Army–IGNOU educational partnership. According to the data presented, fresh admissions across the admission cycles from July 2023 to July 2026 stood at 17,802, while re-registration accounted for 12,855 applications. The figures indicate sustained engagement of Agniveers with formal higher education through the University.

The initiative brings together skill recognition, formal academic qualifications and workplace learning, creating an educational pathway that enables Agniveers and serving personnel to build on their military experience. The collaboration between the Indian Army and IGNOU, thus, continues to strengthen opportunities for higher education and skill development, both during military service and beyond it. **Prof. Jaideep Sharma,** Registrar, SED; **Dr. G. Mythili,** Registrar, SRD; and **Dr. Ranjita Panda,** Additional Director, RSD, were among the IGNOU officials who attended the event.

RC- Bhagalpur

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन

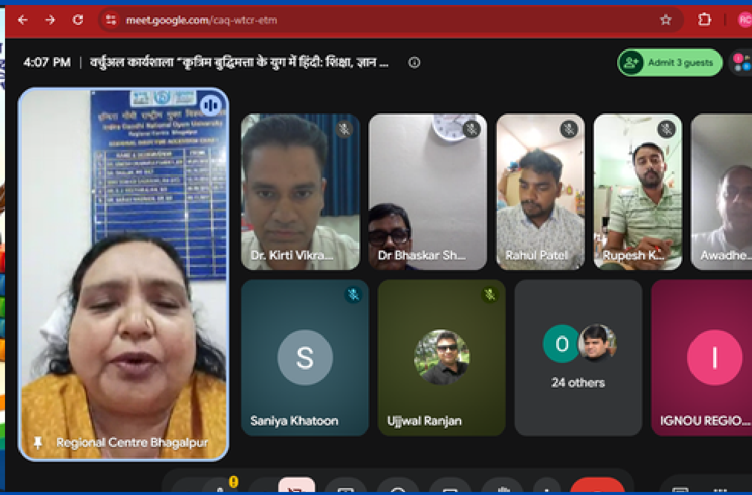

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र भागलपुर द्वारा हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत "कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में हिंदी: शिक्षा, ज्ञान और संचार की नई संभावनाएँ" विषय पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान तकनीकी एवं डिजिटल युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता, संभावनाओं तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से हिंदी के विस्तार पर सार्थक विमर्श करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सारह नसरीन, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र भागलपुर ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बदलते तकनीकी परिदृश्य में हिंदी को ज्ञान, शिक्षा और संचार की प्रभावी भाषा के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संयोजन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव और हिंदी भाषा के लिए इसके माध्यम से उत्पन्न हो रही नई संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न उपकरणों एवं तकनीकों का समुचित उपयोग हिंदी में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री, ज्ञान-विनिमय तथा संचार को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु सिंह ने हिंदी भाषा, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा समकालीन तकनीकी परिवेश के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी की समृद्ध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए आधुनिक तकनीक के साथ हिंदी के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उनके वक्तव्य ने प्रतिभागियों को हिंदी के व्यापक स्वरूप और उसकी समकालीन प्रासंगिकता पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।

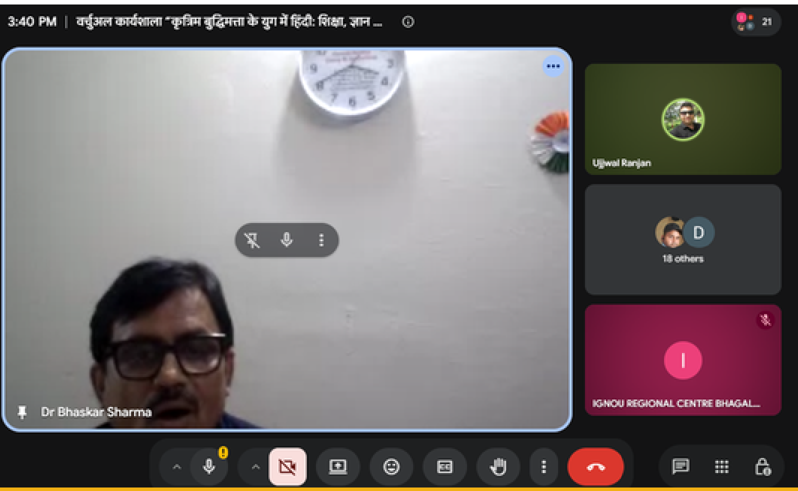

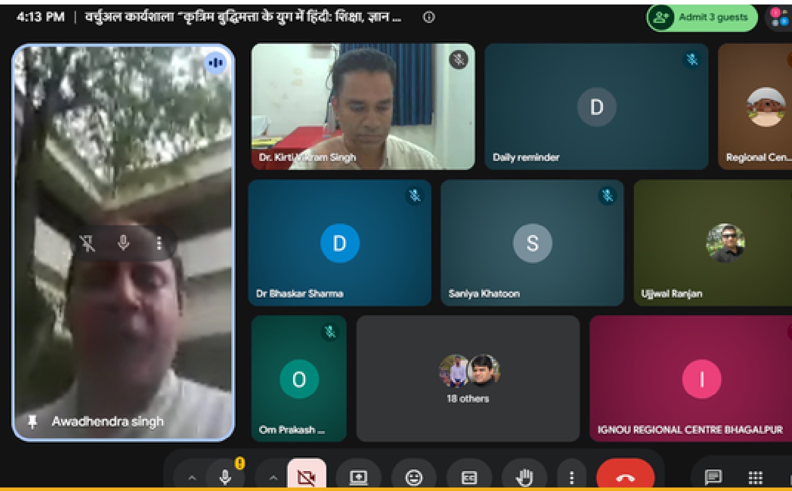

कार्यक्रम में डॉ. भास्कर शर्मा विशिष्ट अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य के साथ-साथ कविता पाठ भी प्रस्तुत किया तथा विषय से संबंधित अपने विचार साझा किए। उन्होंने हिंदी की अभिव्यक्ति क्षमता और बदलते संचार माध्यमों के संदर्भ में भाषा की भूमिका को रेखांकित किया।

इस अवसर पर डॉ. अवधेंद्र प्रताप, हिंदी के शिक्षाविद एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर सक्रिय व्यक्तित्व, ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार, उसके शैक्षिक महत्व तथा वर्तमान समय में हिंदी को नई पीढ़ी और नए तकनीकी माध्यमों से जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. ओ. पी. तिवारी, क्षेत्रीय निदेशक, द्वारा कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में सहभागिता के लिए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

कार्यशाला में क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं हिंदी के प्रति रुचि रखने वाले प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम ने हिंदी पखवाड़े के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए हिंदी, शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय पर एक सार्थक एवं समकालीन विमर्श का अवसर प्रदान किया।

RC- Mumbai

Online Induction Meeting at RC Mumbai

On 21 September 2026, Regional Centre Mumbai organized an **Online Induction Meeting** for the newly admitted learners of the July 2026 session of the Certificate programmes.

All the newly admitted students were welcomed to IGNOU, and the induction meeting was conducted to guide them about IGNOU's ODL and online systems and the various academic activities they would need to undertake to complete their programmes.

Dr. Rahul Mishra, Regional Director, welcomed all the students to IGNOU and informed them about the ODL and online programme systems. He further informed the newly admitted learners about the various activities organized by IGNOU and the Regional Centres from time to time in relation to innovation and entrepreneurship. He motivated the learners to participate in the Innovation Club activities of Regional Centre Mumbai.

RC- Mumbai

Later, **Dr. P. Namboothiripad,** ARD, informed the learners in detail about the various academic activities related to assignment submission, examination form submission, counselling sessions, projects, practicals, examinations, and other important matters. This detailed information helped the students understand their programme structure and the various activities required to complete their programmes.

Mr. Shashank Tripathi, Assistant, informed the students about the website and social media platforms, and showed them how to access assignment question papers, study materials, etc., by sharing his screen.

Later, individual student queries were addressed, and the induction meeting ended with a vote of thanks.

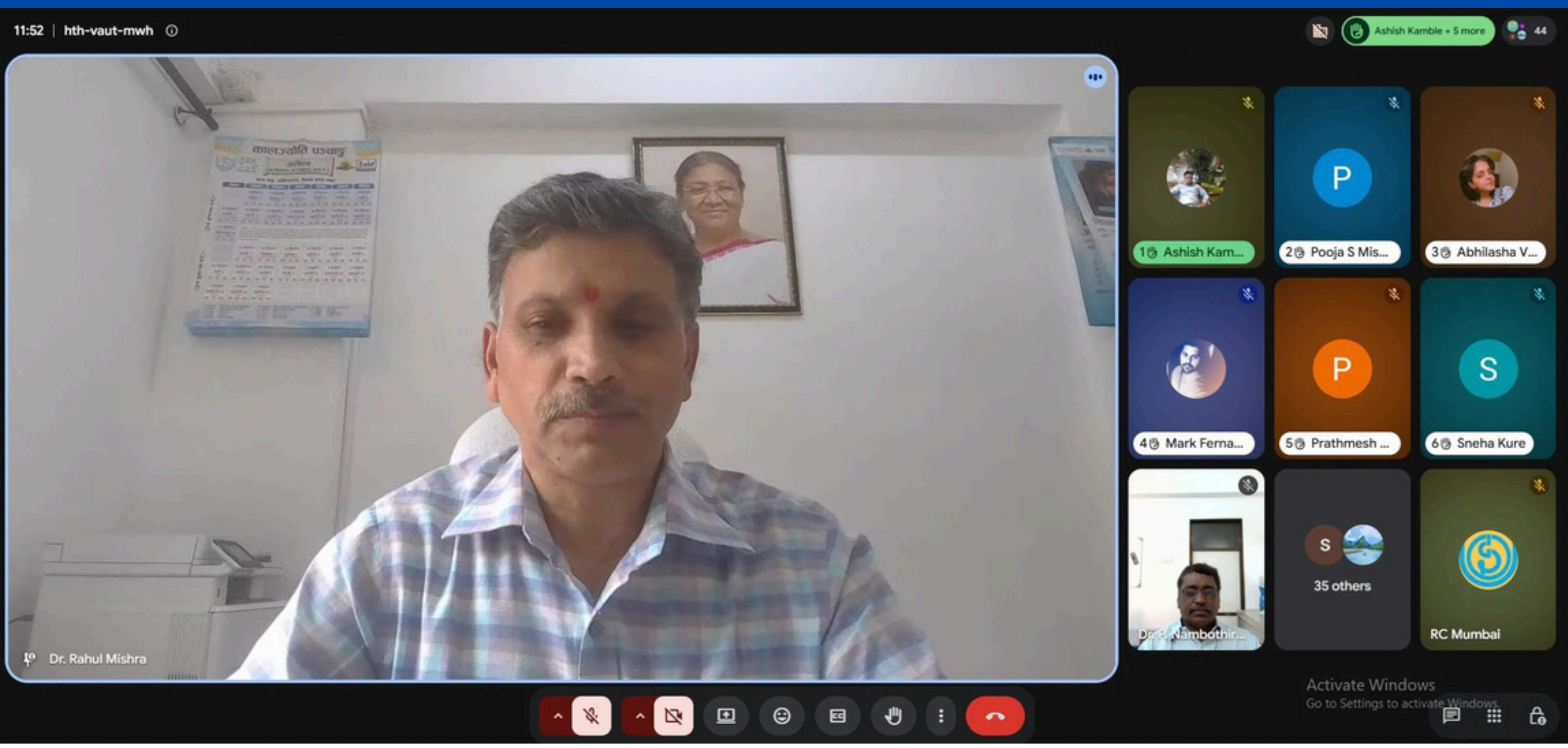

RC- Delhi 2

हिंदी पखवाड़ा

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2 ने भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ **(IAEA)** के संयुक्त तत्वावधान में 18 सितम्बर 2026 को अपराह्न 2:30 बजे से **हिंदी पखवाड़े** का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी भाषा की समृद्धि का उत्सव मनाने तथा शैक्षणिक, प्रशासनिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में इसके सार्थक उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इग्नू क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2 की क्षेत्रीय निदेशक **डॉ. मीना सिंह** द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने मुख्य अतिथि **प्रो. राजेश, निदेशक**, IAEA, के साथ-साथ शिक्षाविदों, अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने हमारे दैनिक संचार के साथ-साथ शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के महत्वपूर्ण स्थान के बारे में बात की। उन्होंने सभी को उपयुक्त स्थानों पर स्वाभाविक और आत्मविश्वास के साथ हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. डी.पी. सिंह, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख, क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2, ने हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े के इतिहास एवं महत्व के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि विभिन्न कालखंडों में हिंदी किस प्रकार विकसित हुई है और भाषा ने समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर किस प्रकार ढाला है। उन्होंने प्रौद्योगिकी, **चिकित्सा विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)** जैसे उभरते क्षेत्रों में हिंदी की बढ़ती उपस्थिति पर भी प्रकाश डाला, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भाषा बदलते समय के साथ कदमताल कर रही है।

RC- Delhi 2

कार्यक्रम की शोभा **प्रो. राजेश**, निदेशक, IAEA, की उपस्थिति से बढ़ी, जिन्होंने सभा को संबोधित किया और शिक्षा, संचार तथा सामाजिक विकास में भाषा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी को प्रोत्साहित और बढ़ावा दिया जाना चाहिए, साथ ही भारत की समृद्ध भाषाई विविधता का भी सम्मान और मूल्यांकन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी के प्रयोग पर गर्व करने और इसे अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संचार का स्वाभाविक हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम ने हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े के महत्व पर विचार करने का अवसर भी प्रदान किया। चर्चाओं में हिंदी की यात्रा, इसकी समृद्धि और विविधता तथा भारतीय साहित्य, शिक्षा और सांस्कृतिक जीवन में इसके योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों ने डिजिटल और तकनीकी युग में हिंदी की बदलती भूमिका पर भी विचार किया।

समारोह को अधिक संवादात्मक और आनंददायक बनाने के लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2 के अधिकारियों और **भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ (IAEA)** के स्टाफ सदस्यों के लिए कई गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी निबंध लेखन, वाद-विवाद, काव्य पाठ और हिंदी गायन शामिल थे। प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मकता, ज्ञान तथा भाषा के प्रति प्रेम का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों ने एक जीवंत और सकारात्मक वातावरण बनाया तथा समारोह को ज्ञानवर्धक और आनंददायक दोनों बनाया।

कार्यक्रम का समापन इस साझा भावना के साथ हुआ कि हिंदी का प्रचार-प्रसार केवल किसी भाषा के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत की सराहना से भी जुड़ा है। सभी की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इग्नू क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2 में हिंदी पखवाड़े के आयोजन को एक सार्थक और यादगार अवसर बना दिया।

कार्यक्रम ने शैक्षणिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक जीवन में हिंदी के सार्थक, आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र दिल्ली-2 और IAEA की सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

RC- Karnal

Learning Has No Age: IGNOU's Commitment to Inclusive Education

हरिभूमि 12

85 वर्षीय पूर्व फौजी लालचंद गोदारा ने हासिल की एमए की डिग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

बेहतर समाज के लिए शिक्षा मुख्य अंग है और शिक्षा हासिल करने की कोई उम्र नहीं होती, यह तो बस एक उम्र का आंकड़ा है। इस बात को साबित करके दिखाया है सिरसा के 85 वर्षीय पूर्व फौजी लाल चंद गोदारा ने। एमए की डिग्री हासिल करने वाले लाल चंद के अनुसार जीवन में कोई भी मंजिल पाने के लिए शिक्षा रोशनी का काम करती है। लालचंद गोदारा ने बताया कि जब तक यह बात समझ आई तो उनकी उम्र 76 साल की हो चुकी थी। पोते-पोतियां उसे कम पढ़े-लिखे होने का ताना मारते थे। बेशक उन्होंने सैनिक रहते हुए देश की सुरक्षा के लिए सीने पर गोली खाने की हिम्मत रखी, लेकिन अनपढ़ता का ताना गोली खाने से भी ज्यादा दर्द देने जैसा था। फिर ठान लिया कि पढ़ लिख कर शिक्षित समाज का हिस्सा बनूंगा। मजबूत जज्बे के भरोसे लालचंद ने 81 साल की उम्र में ग्रेजुएशन की डिग्री ली। इसे बाद भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखने का फैसला किया। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी में एमए में दाखिला लिया। अब लालचंद ने एमए की डिग्री हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लालचंद गोदारा ने बताया कि अब वे पीएचडी या लॉ करने का अरमान पूरा करने की दौड़ में हैं। बता दें कि देश की सेवा के दौरान युद्ध में मोर्चा संभाल चुके लालचंद खेल के मैदान में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उन्होंने पदक जीतकर न केवल अपनी खेल प्रतिभा दिखाई, बल्कि युवाओं के सामने फिटनेस और हौसले की मिसाल भी पेश की। लालचंद गोदारा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1962, 1965 और 1971 की लड़ाइयों में सैनिक के रूप में हिस्सा लिया। सेना में सेवाएं देने के बाद वे वर्ष 1972 से 2002 तक परिवहन विभाग में यार्ड मास्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

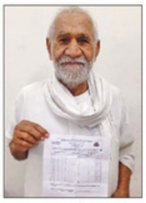

लाल चंद गोदारा।

सेवानिवृत्ति बाद लालचंद की स्वर्णिम उड़ान

लालचंद के नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में करीब 200 पदक दर्ज हैं। इनमें करीब 150 स्वर्ण पदक हैं, जबकि 30 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज मेडल भी उन्होंने अपने नाम किए हैं। उनका कहना है कि शरीर को सक्रिय रखने के लिए उम्र बाधा नहीं बननी चाहिए। नियमित अभ्यास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो बढ़ती उम्र में भी व्यक्ति अपनी पहचान बना सकता है। उनकी मेहनत का परिणाम हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देखने को मिला। लालचंद के जीवन की खास बात यह है कि खेलों में उनकी सक्रियता सेवानिवृत्ति के बाद और बढ़ी।

85 की उम्र में एमए पास, अब पीएचडी की तैयारी, जानें कौन हैं लाल चंद गोदारा

करनाल, आशुतोष गौतम। उम्र सिर्फ एक नंबर है और अगर कुछ करने का जज्बा हो तो कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है। हरियाणा के सिरसा निवासी पूर्व सैनिक लाल चंद गोदारा ने 85 साल की उम्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमए की डिग्री हासिल कर इसे साबित किया है। उन्होंने एमए में 1200 में से 965 अंक हासिल किए हैं। गोदारा की पढ़ाई का सफर भी खास है। उन्होंने 71 साल की उम्र में दोबारा पढ़ाई शुरू की और 76 साल की उम्र में ग्रेजुएशन पूरा किया। अब वह पीएचडी या लॉ की पढ़ाई करने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वह भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं और 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में हिस्सा ले चुके हैं।

71 साल की उम्र में फिर थामी किताबें

लाल चंद गोदारा का पढ़ाई का सपना काफी पुराना था, लेकिन पारिवारिक और जीवन की परिस्थितियों के कारण वह लंबे समय तक पढ़ाई जारी नहीं

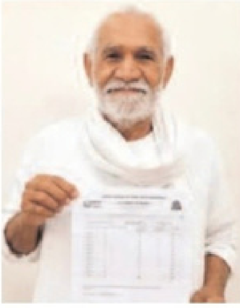

रख सके। सेना में सेवा करने और नौकरी करने के बाद उन्होंने 71 साल की उम्र में एक बार फिर पढ़ाई शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद 76 साल की उम्र में उन्होंने ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के इस सफर में उनकी पोतियों ने भी उनका साथ दिया और उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

85 की उम्र में एमए में 965 अंक

ग्रेजुएशन के बाद गोदारा ने इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी यानी से एमए करने का फैसला किया।

85 की उम्र में पूर्व सैनिक लाल चंद गोदारा ने हासिल की एमए की डिग्री

- 71 वर्ष की उम्र में दोबारा शुरू की पढ़ाई, अब पीएचडी या कानून की पढ़ाई का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

उम्र सीखने की राह में बाधा नहीं बन सकती, इसे हरियाणा के सिरसा निवासी पूर्व सैनिक लाल चंद गोदारा ने साबित किया है। 85 वर्ष की आयु में उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमए की डिग्री हासिल की है। उन्होंने 1200 में से 965 अंक प्राप्त किए हैं। अब वह पीएचडी या कानून की पढ़ाई करने की तैयारी कर रहे हैं। गोदारा ने 71 वर्ष की उम्र में दोबारा पढ़ाई शुरू की थी। 76 वर्ष की आयु में उन्होंने स्नातक की डिग्री

करनाल। एमए की डिग्री हासिल करने वाले पूर्व सैनिक लाल चंद गोदारा।

हासिल की। पढ़ाई के दौरान उनकी पोतियों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमए करने का निर्णय लिया और मेहनत के साथ पढ़ाई जारी रखी।

Education has no age limit at IGNOU. A recent inspiring example is of **85-year-old Shri Lal Chand Godara**, a former soldier from Haryana, who has completed his **Master's Degree in Political Science (MPS) from IGNOU** and is now aspiring to pursue a PhD or law degree. His academic journey, which resumed at the age of 76, is a powerful testament to the possibilities of lifelong learning.

Shri Godara's achievement reflects IGNOU's commitment to inclusive, accessible and flexible higher education, enabling learners to pursue their educational aspirations irrespective of age, location or life circumstances.

जज्बा — पूर्व सैनिक लालचंद गोदारा ने 85 की उम्र में किया एमए, 200 से अधिक पदक जीते

बुजुर्ग के सीखने की ललक...छू लिया फलक

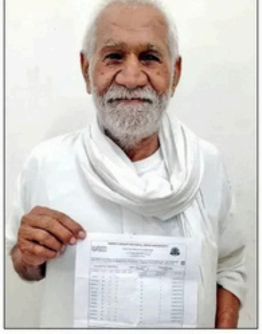

85 वर्ष की उम्र में एमए की डिग्री हासिल करने वाले पूर्व सैनिक लालचंद गोदारा। स्वयं

संवाद न्यूज एजेंसी

सिरसा। सिरसा के 85 वर्षीय पूर्व सैनिक लालचंद गोदारा ने साबित कर दिया है कि सीखने और आगे बढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने 1200 में से 965 अंक हासिल कर एमए की पढ़ाई पूरी की है। उनका लक्ष्य पीएचडी या कानून की पढ़ाई करना है।

लालचंद गोदारा को 76 वर्ष की उम्र में शिक्षा का महत्व समझ आया। पोते-पोतियों के कम पढ़े-लिखे होने के ताने से उन्हें पीड़ा हुई। उन्होंने उसी समय पढ़ाई करने और शिक्षित समाज का हिस्सा बनने का संकल्प लिया। 81 वर्ष की उम्र में उन्होंने स्नातक की डिग्री हासिल की।

इसके बाद इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में एमए में दाखिला लिया। अब 85 वर्ष की उम्र में उन्होंने एमए की डिग्री प्राप्त कर ली है। उन्होंने वर्ष 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में सैनिक के रूप में देश की सेवा की।

सेना से सेवामुक्त होने के बाद 1972 से 2002 तक परिवहन विभाग में यार्ड मास्टर रहे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया।

खेलों में शानदार प्रदर्शन : लालचंद के नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक पदक दर्ज हैं।

इनमें करीब 150 स्वर्ण, 30 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भी विभिन्न स्पर्धाओं में पदक जीते हैं। वह दौड़, गोला फेंक और हैमर थ्रो जैसी स्पर्धाओं में सक्रिय हैं। क्षेत्र के लोग बुजुर्ग के इस जज्बे को सलाम कर रहे हैं।

सक्रिय जीवनशैली और सामाजिक कार्य

85 वर्ष की उम्र में भी लालचंद रोजाना करीब 11 किलोमीटर दौड़ लगाते हैं। उनका कहना है कि शरीर को सक्रिय रखने में उम्र बाधा नहीं बननी चाहिए। वह 15 अगस्त और 26 जनवरी को जिला स्तरीय कार्यक्रमों में परेड में भी भाग लेते हैं। वह पौधरोपण, शिक्षा, खेल, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, स्वच्छता और सड़क सुरक्षा जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

www.jagran.com

देश सेवा के बाद शिक्षा की अलख जगा रहे पूर्व फौजी लालचंद, 85 की उम्र में एमए, अब पीएचडी की तैयारी

जागरण संवाददाता • सिरसा : बेहतर समाज के लिए शिक्षा मुख्य अंग है और शिक्षा हासिल करने की कोई उम्र नहीं होती, यह तो बस एक उम्र का आंकड़ा है। इस बात को साबित करके दिखाया है सिरसा के 85 वर्षीय पूर्व फौजी लालचंद गोदारा ने। एमए की डिग्री हासिल करने वाले लाल चंद के अनुसार जीवन में कोई भी मंजिल पाने के लिए शिक्षा रोशनी का काम करती है।

लालचंद गोदारा ने बताया कि जब तक यह बात समझ आई तो उनकी उम्र 76 साल की हो चुकी थी। पोते-पोतियां उसे कम पढ़े-लिखे होने का ताना मारते थे। बेशक उन्होंने सैनिक रहते हुए देश की सुरक्षा के लिए सीने पर गोली खाने की हिम्मत रखी, लेकिन अनपढ़ता का ताना गोली खाने से भी ज्यादा दर्द देने जैसा था। फिर ठान लिया कि पढ़ लिख कर शिक्षित समाज का हिस्सा बनूंगा। मजबूत जज्बे के भरोसे लालचंद ने 81 साल की उम्र में ग्रेजुएशन की डिग्री ली। इसे बाद भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखने का फैसला किया। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी में एमए में दाखिला लिया। अब लालचंद ने एमए की डिग्री हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लालचंद ने बताया कि अब वे पीएचडी या ला करने का अरमान पूरा करने की दौड़ में हैं।

पोते-पोतियों के ताने के बाद 76 साल की उम्र में दोबारा पढ़ना लिखना शुरू किया, 81 साल की उम्र में बीए की डिग्री हासिल की

सिरसा में एमए की डिग्री दिखाते पूर्व सैनिक लालचंद गोदारा। • जागरण

1962, 65 और 71 की लड़ाई में दुश्मनों के छक्के छुड़ा चुके

पूर्व सैनिक लाल चंद गोदारा ने बताया कि उन्होंने 1962, 65 और 71 की लड़ाई में सैनिक के रूप में काम करके दुश्मन के छक्के छुड़ाए। वह रोजाना 11 किलोमीटर की दौड़ लगाकर लगाते हैं।

खेलों में जीत चुके 200 पदक

लालचंद के नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में करीब 200 पदक दर्ज हैं। इनमें करीब 150 स्वर्ण पदक हैं, जबकि 30 सिल्वर और 20 ब्राज मेडल भी उन्होंने अपने नाम किए है। नौकरी पूरी करने के बाद उन्होंने हैमर और डिस्कस थ्रो खेलना शुरू किया था।

RC- Lucknow

Webinar on 'Digital Evam AI Ke Yug Mein Hindi Bhasha ki Mahatta Evam Chunautiyan'

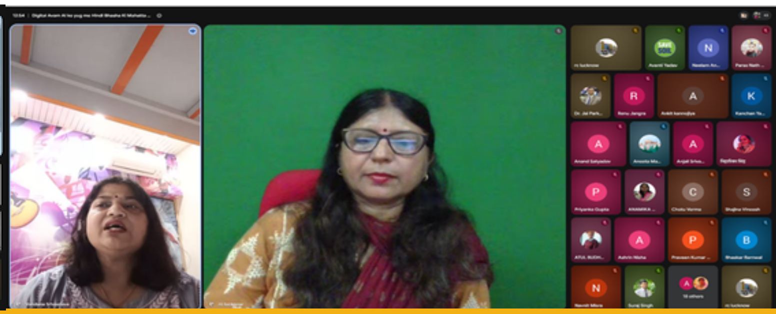

IGNOU Regional Centre, Lucknow, organized a **webinar on 'Digital Evam AI Ke Yug Men Hindi Bhasha ki Mahatta Evam Chunautiyan'** for IGNOU learners, coordinators, and academic counsellors on Monday, 21 September 2026, through Google Meet. The webinar began with the University Kulgeet and the National Song. It was attended by Senior Regional Director and Head **Dr. Anil Kumar Misra;** Regional Directors **Dr. Reena Kumari, Dr. Anamika Sinha,** and **Dr. Jai Prakash Verma;** Assistant Registrar **Dr. Nishith Nagar**; Coordinators **Dr. Parwat Singh** and **Dr. Arun Singh**; academic counsellors; and learners from IGNOU LSCs.

Dr. Anil Kumar Misra welcomed the dignitaries and participants of the webinar and expressed his best wishes for the successful conduct of the programme.

As the keynote speaker, **Prof. Vandana Shrivastava** spoke about how the Government of India has emphasized the celebration of Hindi Pakhwada and the organization of various activities related to the Hindi language. She said that research and innovation in new fields become easier in one's mother tongue. Unicode plays an important role in the use of Hindi in the current computer era. The use of Hindi is spreading across email, websites, blogs, social media, online education, digital newspapers, e-commerce, and government services.

Prof. Shrivastava stated that Hindi Pakhwada 2026 is being celebrated from 14 September to 30 September 2026. She said that language is a medium of expression and emphasized the importance of promoting one's mother tongue.

The webinar was conducted and anchored by **Dr. Reena Kumari**, Regional Director. The formal vote of thanks was proposed by **Dr. Parwat Singh**.

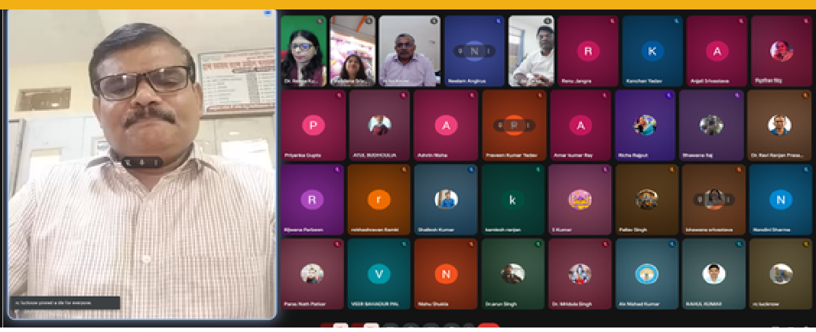

RC- Lucknow

Virtual Induction Meet of Learners of BSCN Programmes for July 2026 Session

IGNOU Regional Centre, Lucknow, organized a **Virtual Induction Meet** for the learners of the BSCN Programme for the July 2026 session on Monday, 21 September 2026, through Google Meet. The meeting began with the University Kulgeet and the National Song.

The meeting was attended by Senior Regional Director and Head **Dr. Anil Kumar Misra**; Regional Directors **Dr. Reena Kumari** and **Dr. Anamika Sinha**; Coordinator from IGNOU LSC-2740, **Mr. Ram Gupta**; and learners of the BSC (Nursing) Programme.

Dr. Anil Kumar Misra welcomed the learners and the coordinator present at the Virtual Induction Meet for the learners of the BSCN Programme. He said that the delivery of quality education at affordable fees, with a vision to impart skills, has been a key feature of IGNOU, this mega university, which, with its unique flexibility, has immense capacity to educate millions.

He also informed the students that they would be provided with all necessary academic and administrative support by IGNOU on a priority basis.

Dr. **Anamika Sinha** demonstrated the University website and gave a live demonstration by browsing through different sections of the IGNOU website. She explained how a learner can access all information related to their studies from a single window. She also described the assignment details, the link to the Regional Centre website, and online access to e-resources for IGNOU learners. She informed the learners how to access all the information in one place through the SAMARTH Portal.

Mr. Ram Gupta discussed in detail the counselling schedule and the support provided by the Learner Support Centre to all the learners of the BSCN Programme. He also informed the learners about the centre's opening days and timings and shared the WhatsApp group link with them.

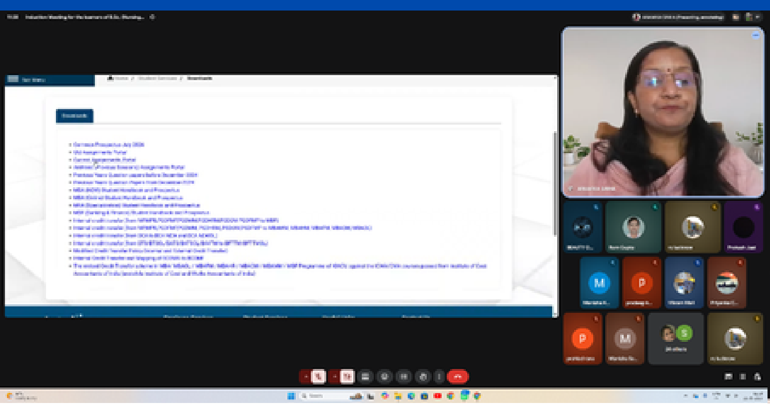
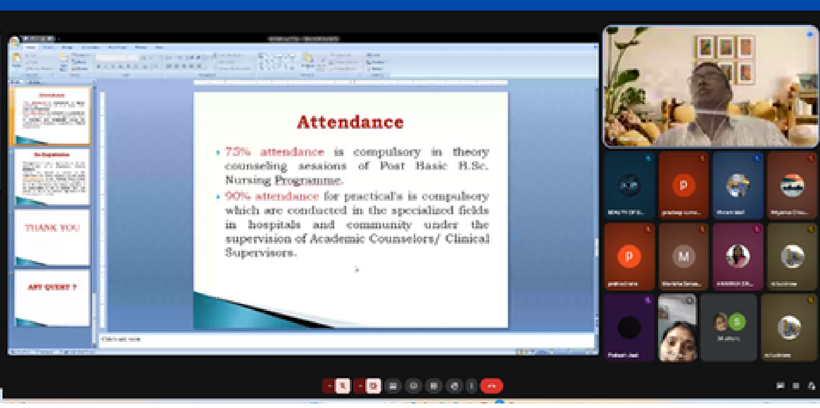

RC- Kolkata

IGNOU Regional Centre Kolkata Organises Outreach Programme at Howrah

IGNOU Regional Centre Kolkata, in collaboration with Joypur Panchanan Roy College, Joypur, Amta-II, Howrah, organised a Promotional and Outreach Programme with Spot Admission Facility on 21 September 2026. The programme aimed to create awareness about IGNOU's academic, skill-based and professional programmes and facilitate access to higher education through the Open and Distance Learning (ODL) mode.

Around 300 learners from the College and surrounding areas participated, along with local dignitaries, educationists, Heads/Headmasters of nearby schools, faculty members and College representatives.

Prof. Saumitra Sarkar, Principal, Joypur Panchanan Roy College, expressed interest in establishing an IGNOU Learner Support Centre (LSC) at the College to serve learners in the rural and adjoining areas. **Dr. Sujata Dutta Hazarika,** Senior Regional Director, and **Dr. Ajay Kumar Behera**, Regional Director, IGNOU Regional Centre Kolkata, highlighted IGNOU's role in democratising higher education and briefed participants on its programmes, eligibility and admission process.

Ms. Aitryee Bhattacharya, Assistant Coordinator, IGNOU Study Centre 28166, spoke on innovation and entrepreneurship and introduced the Innovation Parlour initiative of IGNOU Regional Centre Kolkata.

The programme also provided an opportunity for direct interaction with prospective learners and stakeholders, with information on IGNOU programmes and Spot Admission being shared.

A key outcome was the College's interest in establishing an IGNOU LSC. With around 75% women learners at the College and a substantial SC/ST population in the district, the proposed centre could further enhance access to higher education for women, rural learners, socially disadvantaged groups and working persons in the region, subject to prescribed norms.